य एषु सुप्तेषु जागर्ति

पृष्ठ 14 | मूल्य 5.00

patrika.com /rajasthanpatrika /rpbreakingnews /rajasthan_patrika

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

राजस्थान पत्रिका

झुंझुनूं, शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025 | फाल्गुन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा संवत् 2081

अंतिम-4 की रेस हुई रोचक, ऑस्ट्रेलिया को अफगानिस्तान से रहना होगा सतर्क

@स्पोर्ट्स &गेमिंग

महाकुंभ : संगम तट पर स्वच्छता अभियान में सीएम

@अंतिम पेज

निजी ने बदला पैटर्न, सरकारी स्कूल अब भी पुरानी लीक पर

@राजस्थान

पढ़ें @पेज 14

झुंझुनूं पत्रिका

नवलगढ़ . चिड़ावा . खेतड़ी . उदयपुरवाटी . बुहाना . बिसाऊ . बगड़ . सूरजगढ़ . मलसीसर . पिलानी

प्राइम

उदयपुरवाटी व चिराना कस्बा पूर्णत : रहा बंद

पढ़ें @पेज 14

सीरी में उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला

पिलानी. उद्यमशीलता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा प्रेरित करने के लिए सीरी पिलानी में उद्यमिता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया। युवाओं और संभावित उद्यमियों को उद्यमिता की अवधारणा संभावनाओं तथा स्वरोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्र, छात्राओं, परियोजना सहायकों, शोधकर्ताओं तथा पीरामल फाउंडेशन बगड़ के दिव्यांग एवं सामान्य प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। गौरतलब है कि पीरामल फाउंडेशन सामाजिक बदलाव लाने के लिए सरकारी प्रणालियों को सशक्त बनाने तथा हाशिए पर मौजूद दिव्यांगजनों एवं अन्य समुदायों के जीवन को बेहतर बनाने हेतु कार्य

करता है। इस कार्यशाला के माध्यम से ऐसे संस्थानों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और उन्हें सशक्त बनाना भी उद्देश्य रहा। कार्यशाला में बिट्स के प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर ज्योति टिकोरिया ने सरकार एवं शैक्षणिक संस्थानों द्वारा स्वरोजगार को बढ़ावा देने को लेकर उपलब्ध वित्तीय सहायता एवं इनक्यूबेशन सेंटरों की जानकारी दी। बिट्स के वरिष्ठ प्रोफेसर आर्य कुमार ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वरोजगार और वित्तीय रणनीतियों पर चर्चा करते हुए विभिन्न पक्षों की जानकारी देते हुए प्रतिभागियों को स्वरोजगार अपनाने हेतु प्रेरित किया। सीरी वैज्ञानिक डा. बी ए बोत्रे ने दिव्यांगजनों के लिए विकसित ई-ट्राईसाइकिल एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला का समापन सीरी के पूर्व निदेशक एवं बिट्स प्रोफेसर चंद्रशेखर ने आभार जताया।